पाठ 1
जयगान

लेखक- सुब्रह्मण्यम भारती

हम करेंगे भारत ----------यश का गान

इस कविता में कवि यह बताना चाहता है , कि

हमारे भारत देश में सब कुछ है यहाँ पर गंगा नदी है , पुरे विश्व में सम्मानित है | अमर ग्रन्थ है उपदेश है,देश जहाँ नारद के, गूँजे मधुमय गान भी थे, यह है देश जहाँ पर बनते, सर्वोत्तम सामान सभी थे। भारतदेश मे पूर्ण ज्ञान है , स्वर्णिम, ऋषि थे | यहाँ सब कुछ सबसे अलग है|

क्योंकि यहाँ पर सब कुछ है , नदियाँ है , लहराती हवा , ऊँचे- ऊँचे पर्वत है , निडर बहादुर सैनिक है जो भारत देश की रक्षा करते है |

इस तरह हमअपनी मातृभूमि भारत देश का जयगान तथा

अपने देश का सिर हमेशा ऊँचा करेगे|
शब्दार्थ-
द्वेध-दोनों प्रकार के
अंत-समाप्त

त्रास-दुख

गिरि-पर्वत

ध्वनित-गुंजायमान
दुरंत -प्रबल,प्रकोप

तुषार-शेखर-हिमालय, बर्फ का घर
पोतदल-नौका-दल
रजत-श्रंग-चाँदी जैसी चमकीली चोटियाँ
(क) लघुत्तरीय प्रश्न
1.कवि आज क्या करना चाहता है?
उत्तर-कवि आज भारत देश का जयगान करना चाहता है।
2.द्वेध-दुख से कवि का क्या आशय है?
उत्तर-द्वेध दुख से कवि का आशय दोनों प्रकार के दुख से है भारत भूमि का जयगान करने से हमारे सारे दुख दूर हो जाएँगे।
3.भारत की पर्वत-चोटियाँ कैसी हैं?
उत्तर-भारत की पर्वत -चोटियाँ चाँदी के समान चमकीली हैं।
4.'जयगान'कविता के रचयिता कौन हैं?
उत्तर-'जयगान' कविता के रचयिता 'सुब्रह्मण्यम भारती'हैं।
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न
1.कवि विद्यालयों को किसके समान बनाना चाहता है?

उत्तर-कवि भारत भूमि को देव मंदिर की तरह पवित्र बनाना चाहता हैजिससे हमारे विद्यार्थी सुसंस्कृत, शिष्टाचारी, शील,महान और ज्ञानी बनेतथा भारत को महान बनायें औरभारत भूमि का जयगान करें।
2.कवि देश को किस प्रकार महान बनाना चाहता है?
उत्तर-कवि छात्रों मे राष्ट्रीय चेतना जगाकर
देश को महान बनाना चाहता है।वह सभी लोगों मे अपने देश के प्रति प्रेम भाव रखने और सर्वस्व समर्पण के भावों द्वारा देश को महान बनाना चाहता है।
3.पोत-दल से कवि का क्या आशय है?
उत्तर-पोत-दल से कवि का अभिप्राय गर्जना करते हुए विशाल सागर मे तैरते हुए नौका-दल से है।

भाषा बोधन
1 निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची लिखिए-
वसुंधरा - धरा,धरती,प्रथ्वी

पर्वत- गिरि,पहाड़,भूधर
नदी - नदी, तटिनी,तरंगिणी
अमृत -सुधा, पियूष,सोम
संसार-जग,विश्व,जगत
2 निम्नलिखित शब्दों मे सेस्त्रीलिंग एवं पुल्लिंग छाँटकर अलग लिखिए-

स्त्रीलिंग।	पुल्लिंग
वसुंधरा।	वन
	सागर
नदियाँ।	पर्वत
गति।	देश
विद्या।	दुख
कविताएँ।	भवन
	अमृत

3 निम्नलिखित शब्दों से प्रत्यय अलग कीजिए-
हिमवान- हिम+वान
गुणगान- गुण+गान
पश्चिमी- पश्चिम+ई

ध्वनित- ध्वनि+इत

शिखिर-शिखा+इर

Hindi worksheet

1.पर्यायवाची लिखिए-
देश
रजत
सागर
यश
हिम
2.विलोम लिखिए-
परदेश-
आज-
जय-
यह-

दुख-

3.उचित विकल्प चुनिए-

(क) कवि किसका गुणगान करना चाहता है-

सागर का/भारत देश का/ऋषि-मुनियों का

(ख) 'ध्वनित'मे प्रत्यय है-

ध्वनि/इत/नित

(ग) 'गाड़ीवान' मे मूलशब्द है-

वान/ न/गाड़ी

(घ) 'त्रास ' का अर्थ है-

सुख/दुख/यश

(ड़)कवि भारत देश का करना चाहता है-

गुणवान/ बलवान/ जयगान

4.' वान' प्रत्यय से चार शब्द बनाइए।

5.'इत' प्रत्यय से चार शब्द बनाइए।

Class --8
Subject-Hindi
पाठ-२
झूठ का सच

कहानी का सार- गोनू झा का एक लंगोटिया यार था।एक दिन गोनू झा का मित्र उससे कहता है, तुम कैसे किसी दोस्त को दुश्मन, दुश्मन दोस्त, मूर्ख को विद्वान, साधु को ठग और बेईमान ईमानदार सिद्ध कर देते हो, यह बात मेरी समझ में नहीं आती?
गोनू झा ने कहा,- मैं किसी को एक नजर में ही पहचान जाता हूं कि आदमी अच्छा है या बुरा उसी के आधार पर मैं निर्णय लेता हूं। उसी प्रकार कोई पाखंडी महान बनता है तो मैं उसका सच सामने लाकर दम लेता हूं
उसके मित्र ने पूछा, मेरे बारे में तुम्हारी क्या धारणा है?गोनू झा ने कहा, तुम तो मेरे दोस्त हो तुम्हारे बारे में क्या धारणा बनानी है। मित्र ने गोनू झा को इस बात के लिए काफी जोर दिया ।गोनू झा ने कहा, कहीं ऐसा न हो हमारी दोस्ती दुश्मनी में बदल जाए? मित्र ने कहा, नहीं ऐसा नहीं होगा। गोनू झा ने कहा, ठीक है। एक दिन गोनू झा ने अपने मित्र से मिट्टी के हजार सिक्के मांगे और कहा अभी पांच सौ ही दो बाकी बाद में दे देना मित्र ने हां कर दिया। जब मित्र सिक्के देने आया तो तो गोनू झा ने कहा मुझे सिक्के आकर्षक बटुए में दो। कुछ दिनों बाद गोनू झा ने किसी ना किसी के सामने अपने मित्र से कहता याद है न 500 सिक्के बाकी है। मित्र कहता याद है। एक दिन गोनू झा ने पंचायत बुलाई , कहा यह मेरा मित्र है इसने मुझसे 6 महीने पहले 1000 सिक्के लिए थे ।

500 सिक्के शीघ्र दे दिए और बाकी देने से इंकार कर रहा है।
यह बात सुनकर उसका मित्र चौक ते हुए बोला क्या बोल रहे हो? यह भी कोई पंचायत में कहने की बात है? गोनू झा ने कहा क्या करूं? और कोई रास्ता नहीं था मैं प्रतिदिन आपको सिक्के के बारे में याद दिलाता था। आप चाहे तो उपस्थित लोगों से पूछ सकते हैं। फिर तो उसके मित्र ने गोनू झा को बेईमान, ठ ग आदि अपशब्द कहना शुरू कर दिया। और पूछा मैंने कब सिक्के लिए और कब लौट आए भी? गोनू झा ने आकर्षक बटुआ दिखाते हुए पंचों से कहा, मित्र से पूछे यह बटुआ किसका है? मित्र ने कहा, यह बटुआ मेरा है पर इसमें मिट्टी के सिक्के दिए थे।
गोनू झा ने कहा, मेरी मति मारी गई है की मैं मिट्टी के सिक्के लूंगा। सभी पंचों ने गोनू झा का समर्थन करते हुए मित्र को सिक्के लौटाने को कहा इस घटना के बाद उनकी दोस्ती दुश्मनी में बदल गई। हीकुछ समय बाद पंचों के सामने मिट्टी और असली सिक्कों के दोनों बटुए निकाल कर रखते हुए कहा, मेरे दोस्त को यह जानने की इच्छा थी की मैं सच को झूठ और झूठ को सच में कैसे बदलता हूं इसलिए मुझे असत्य का सहारा लेना पड़ा। दोस्ती को दुश्मनी में बदलना पड़ा। ये सिक्के मैं चुपचाप भी वापस कर सकता था, पर मेरा मित्र सबके सामने जलील हुआ था, इसलिए आप लोगों के सामने ही लौट आना उचित समझा। इसके बाद दोनों मित्र खुशी के आंसू पहुंचते गले मिल गए।
शब्दार्थ-१ लंगोटिया-बालमित्र
२ मनमुटाव-मन में दुर्भाव आना
३ बद्धमूल-अटल
४ मक्कार-धूर्त
५ पाखंडी-ढोंगी
६ अजीज-प्रिय
७ स्वांग -नकल
८ हमी-हां करना
९ आकर्षक-लुभावना
१० समक्ष-उपस्थित

लघु प्रश्न उत्तर
१ गोनू झा का मित्र उसकी किस बात से प्रभावित था?
उत्तर-गोनू झा दोस्त को दुश्मन, दुश्मन को दोस्त, मूर्ख को विद्वान, साधु को ठग और बेईमान को ईमानदार सित कर देता था। उसका मित्र गोनू झा की इस बात से प्रभावित था।

२-गोनू झा ने अपने मित्र से क्या मांगा?
उत्तर-गोनू झा ने अपने मित्र से मिट्टी के 1000 सिक्के मांगे।
३-गोनू झा मित्र की दुकान पर क्यों गया?
उत्तर-गोनू झा मित्र की दुकान पर सच्चाई बताने गया।
दीर्घ प्रश्न उत्तर-
१-गोनू झा ने अपने मित्र से सिक्के रखने के लिए आकर्षक बटुआ क्यों मांगा?
उत्तर गोनू झा ने अपने मित्र से सिक्के रखने के लिए आशा आकर्षक बटुआ इसलिए मांगा, उसकी झूठी बातों पर पंचों को शक ना हो और गोनू झा अपनी हजार सिक्को वाले झूठ को सच साबित कर सकें।
भाषा-बोधन
मुहावरे-१ लोहा मानना-किसी का प्रभुत्व मानना
२ बात टालना - आना -कानी करना
३ स्वांग भरना-नकल
४ लंगोटिया यार-प्रिय मित्र
५ माथा ठनकना-संदेह होना
२ निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह कीजिए और समास का नाम लिखिए
१ यथाशीघ्र-जितना शीघ्र हो सके-अव्ययीभाव समास
२ पंच -परमेश्वर--पांच पंचों का समूह--द्विगु समास
३ मनमुटाव-मन में मुटाव--तत्पुरुष समास
Work sheet
सही विकल्प चुने
१ सच को झूठ और झूठ को सच साबित करने में कौन माहिर था?
(क) तेनालीराम (ख) बीरबल (ग) गोनू झा
२ कोई पाखंडी व्यक्ति महान बना रहता तो गोनू झा उसके साथ क्या सलूक करते थे?
(क) सुधारने का मौका देते थे (ख) उसकी ओर से मुंह मोड़ लेते थे (ग) उसके पाखंड को उद्घाटित कर देते थे
३ गोनू झा ने अपने मित्र से कैसे सिक्के मांगे थे
(क) मिट्टी के (ख) सोने की (ग) चांदी के
४ गोनू झा ने मित्र को सिक्के किस चीज में देने को कहा?
(क) कटोरी में (ख) साधारण बटुए में (ग) आकर्षक बटुए में
५ पहली बार में गोनू झा के मित्र ने कितने सिक्के दिए थे?
(क) चार सौ (ख) सात सौ (ग) पांच सौ
६ मित्र से सिक्के वसूलने के लिए गोनू झा ने क्या किया?
(क) पंचायत बुलाई (ख) राजा से शिकायत की (ग) मुकदमा किया
३ निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए:
(क) लोहा मानना (ख) बात टालना(ग) स्वांग भरना (घ) लंगोटिया यार
४ निम्नलिखित शब्दों में से स्त्रीलिंग और पुल्लिंग शब्द छक्के लिखिए: १ लोहा २ दुश्मनी ३ भावना ४ भाव५ धारणा ६ निर्णय ७ चरित्र ८ उद्घाटन ९ चिंता १० बात
५ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:
१ गोनू झा ने भरी पंचायत में अपने मित्र से शेष रकम क्यों मांगी?
२ गोनू झा ने दोस्ती को दुश्मनी में कैसे बदल दिया संक्षिप्त में लिखिए।
३ गोनू झा ने सच को झूठ और झूठ को सच में कैसे परिवर्तित कर दिया?